वर्ष ५, अंक - १०, मार्च २०२५

आओ बातें करें

मानव भारती स्कूल देहरादून की पहल

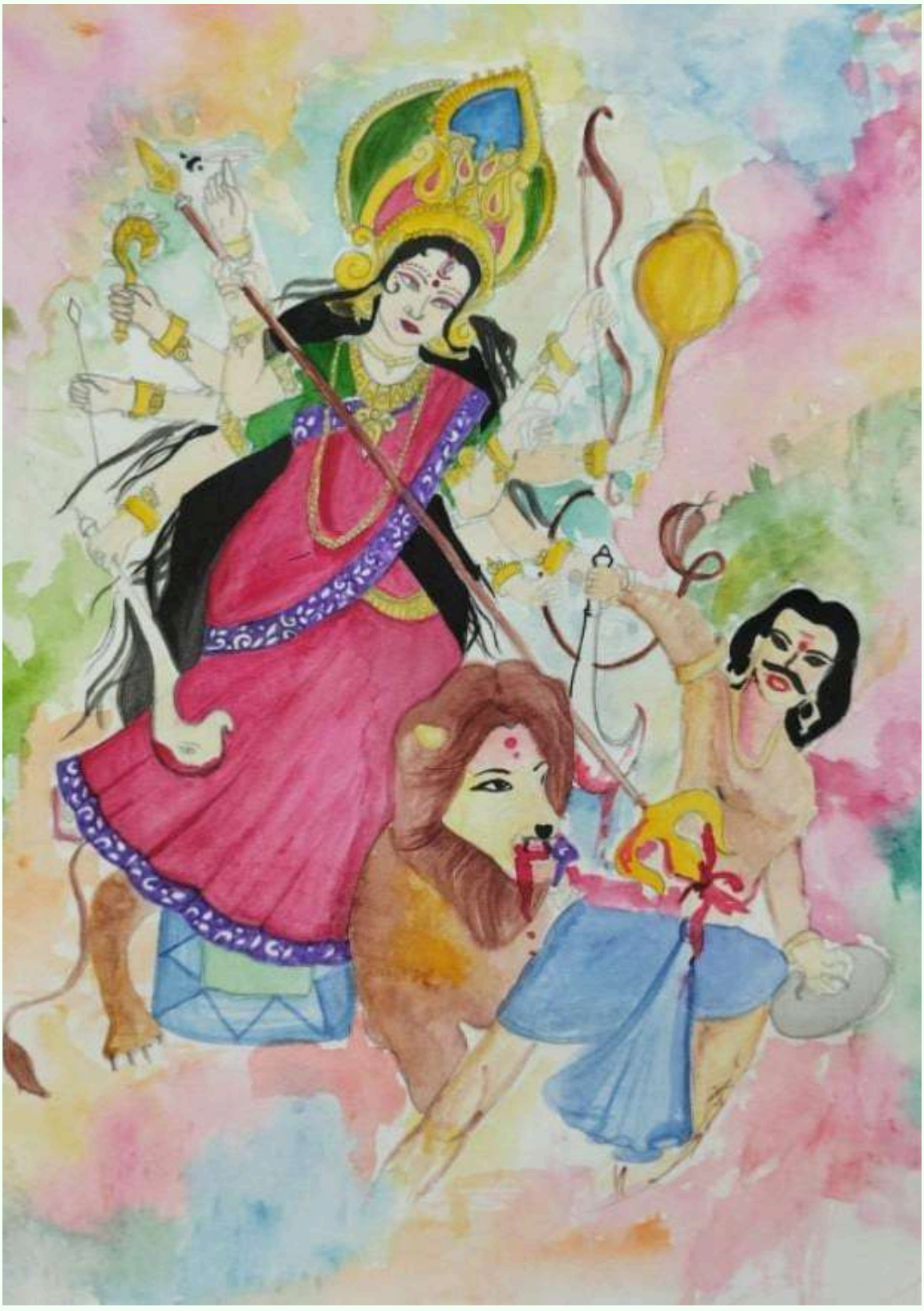

होली

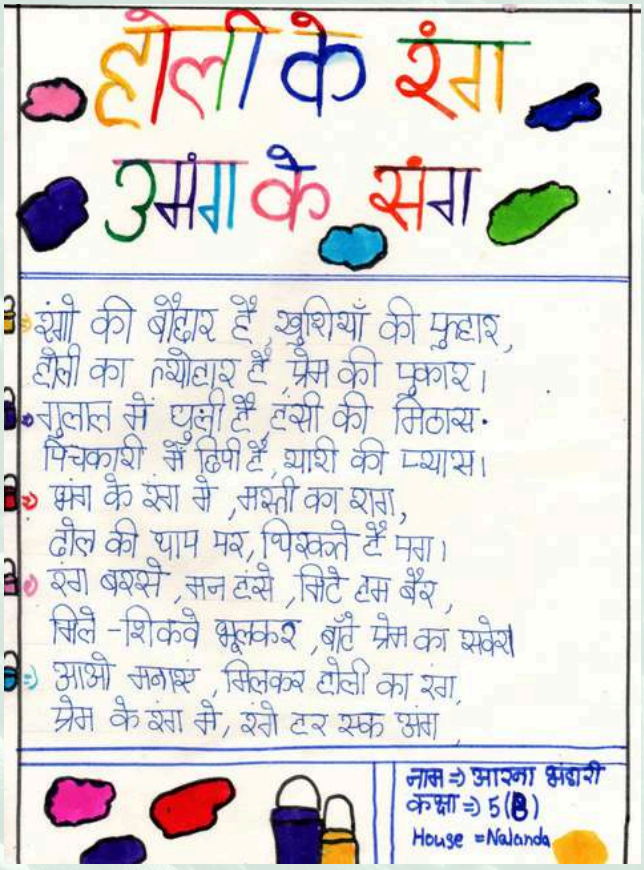

होली का त्योहार रंगों का त्योहार है, जो पूरे भारत में बहुत उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। यह त्योहार वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है और यह हमें जीवन में रंगों की महत्ता को समझने का अवसर प्रदान करता है। होली का त्योहार दो दिनों तक चलता है, जिसमें पहले दिन होलिका दहन किया जाता है और दूसरे दिन रंगों के साथ खेला जाता है।

होलिका दहन के दिन लोग पावक में सभी बुराइयों को जलाकर भस्म कर देते हैं और बुराई पर अच्छाई की विजय का उत्सव मनाते हैं। यह एक प्रतीकात्मक कार्यक्रम है, जो हमें यह स्मरण करता है कि जीवन में सच्चाई और न्याय की जीत होती है।

होली के दिन लोग अपने दोस्तों और परिवार के साथ मिलकर गुलाल के साथ खेलते हैं, गाने गाते हैं और नाचते हैं।कई स्थानों पर पुष्प से भी होली खेली जाती है और बरसाना और नंदगांव की लट्ठमार होली भी बहुत प्रसिद्ध है।

होली का त्योहार हमें यह भी सिखाता है कि जीवन में हर रंग का अपना महत्व होता है। सफेद रंग शुद्धता का प्रतीक है, लाल रंग ऊर्जा जोश व प्रेम का प्रतीक है, पीला रंग खुशियों का प्रतीक है, हरा रंग प्रकृति व हरियाली का प्रतीक है और नीला रंग शांति का ।

भिन्न–भिन्न रंगों की तरह ही यह त्योहार सभी को एक साथ लाता है,चाहे उनकी जाति,वर्ण या सामाजिक स्तिथि कुछ भी हो। होली हमें पुराने बैरों,द्वेष,दुर्भाव व शत्रुता को भुलाकर,क्षमा करना भी सीखता है।लोग"बुरा ना मानो होली है"कहकर सभी प्रकार की दुर्भावनाओं को भुलाकर एक दूजे को रंग लगाते हैं व पुरानी शत्रुता को समाप्त करते हैं।वास्तव में यह त्योहार जीवन में एक नई उमंग भर देता है।

– आरव,५ ब

फूलदेई

फूलदेई उत्तराखंड का एक महत्वपूर्ण लोकपर्व है, जो वसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। यह त्योहार कुमाऊं और गढ़वाल दोनों क्षेत्रों में मनाया जाता है, लेकिन इसके तरीके और परंपराएं अलग-अलग हैं।

कुमाऊं क्षेत्र में, फूलदेई चैत्र मास की प्रथम तिथि को मनाया जाता है। इस दिन बच्चे वन से ताज़े फूल तोड़कर लाते हैं और घर-घर जाकर फूलदेई के गीत गाते हैं। लोग उन्हें बदले में चावल, गुड़ और पैसे देते हैं। गढ़वाल क्षेत्र में, फूलदेई पूरे चैत्र मास में मनाया जाता है।

बच्चे प्योली और बुरांश के फूलों को लाकर दरवाजों पर सजाते हैं और सुख-समृद्धि की मंगलकामनाएं करते हैं। अंतिम दिन बच्चे घोघा माता की डोली की पूजा करके विदाई करते हैं। फूलदेई का त्योहार उत्तराखंड की संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह त्योहार हमें जीवन में रंगों और सौंदर्य की महत्ता को समझने का अवसर प्रदान करता है।

– प्रणवी, ६ अ

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस: एक समर्पण, एक संकल्प

हर साल 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, जो महिलाओं के अधिकारों, उनकी उपलब्धियों और उनके संघर्षों को पहचानने का एक अवसर है। यह दिवस महिलाओं को उनके योगदान, उनके साहस,सहनशीलता और उनकी दृढ़ता के लिए सम्मानित करने का एक मौका है।

महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं, उनके सहयोग से ही हमारा समाज चलता व निरंतर आगे बढ़ता है।वे हमारे परिवारों की धुरी हैं । वे हमारे देश की तरक्की में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं उसके बाद भी महिलाएं आज भी कई चुनौतियों का सामना करती हैं, जैसे कि पुरुष–स्त्री में भेदभाव, घरेलू हिंसा, महिला भ्रूणहत्या,दहेज प्रथा,अवसरों में असमानता,आर्थिक असमानता, अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करना और उनका सशक्तिकरण हमारी सामूहिक उत्तरदायित्व है। यह दिवस हमें यह भी याद दिलाता है कि महिलाएं केवल घरेलू कार्यों तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकती हैं।वो लक्ष्मी भी है,और दुर्गा भी ,वो अन्नपूर्णा भी है और सरस्वती भी।

इस दिवस के उपलक्ष्य पर हम महिलाओं के योगदान को पहचानने और उनके अधिकारों की रक्षा करने का संकल्प लेते हैं।

हम महिलाओं के सशक्तिकरण व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने का और उनकी उपलब्धियों को सहर्ष स्वीकार करके का भी निश्चय करते हैं । अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर, हम सभी को यह याद रखना चाहिए कि महिलाएं हमारे समाज का बल,उसकी ऊर्जा हैं और उनके सशक्तिकरण से ही हमारा समाज सबल और समृद्ध बन सकता है।

- उर्वी, ८ अ

चैत्र नवरात्रि

चैत्र नवरात्रि एक पवित्र त्यौहार है जिसे दुनिया भर के हिंदू मनाते हैं। यह त्यौहार हिंदू कैलेंडर के पहले महीने 'चैत्र' में मनाया जाता है। संस्कृत में नवरात्रि का शाब्दिक अर्थ है नौ रातें। जैसा कि नाम से पता चलता है, चैत्र नवरात्रि नौ दिनों तक मनाई जाती है और नौ दिनों में से प्रत्येक दिन देवी दुर्गा के नौ अलग-अलग अवतारों को समर्पित होता है।

यह त्यौहार घटस्थापना नामक एक पारंपरिक अनुष्ठान से शुरू होता है। भक्त देवी दुर्गा और उनके विभिन्न अवतारों की पूजा करते हैं और देवी को फूल, फल और प्रसाद चढ़ाते हैं। उत्सव पहले दिन प्रतिपदा से शुरू होते हैं और चैत्र महीने में शुक्ल पक्ष की नवमी या नौवें दिन तक चलते हैं। चैत्र नवरात्रि को वसंत नवरात्रि या राम नवरात्रि भी कहा जाता है क्योंकि नौवां दिन भगवान राम के जन्म का प्रतीक है।

भारत के महाराष्ट्र राज्य में चैत्र नवरात्रि उत्सव गुड़ी पड़वा से शुरू होता है, जबकि आंध्र प्रदेश और अन्य दक्षिण भारतीय राज्यों में इसे उगादी के रूप में मनाया जाता है। उत्तर भारत के कई राज्यों में नवरात्रि की अष्टमी व नवमी तिथि को कन्यापूजन होता है। गुजरात में नवरात्रि पर होने वाला गरबा व डांडिया रास प्रसिद्ध है। बंगाल,उड़ीसा,असम में दुर्गा पूजा मनाई जाती है। जो की आमतौर पर पाँच दिनों तक चलती है। ऐसे ही भारत के हर राज्य में भिन्न–भिन्न प्रकारों से यह त्योहार मनाया जाता है। त्योहार मनाने के तरीकों में इतनी विविधता होने के बाद भी वो माँ शक्ति का आशीर्वाद,उनके प्रति श्रद्धाभाव व ये पावन उत्सव है जो पूरे भारत और माँ शक्ति के भक्तों – उपासकों को एकता के सूत्र में बाँधता है।

- ध्रुव, ६ अ

सुनीता विलियम्स

चराग़ में रौशनी माना कम है
मगर मिरे हौंसलों में भी दम है।
हवा से है दोस्ताना मेरा भी,
उड़ान के वास्ते इक आसमाँ कम है।

अंतरिक्ष की अनंत गहराइयों में खो जाने का सपना किसे नहीं होता? लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सपना कितना मुश्किल है? भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स ने इस सपने को हकीकत में बदल दिखाया है। उन्होंने अपने साहस और धैर्य से अंतरिक्ष में साढ़े नौ महीने तक शोध किया, जो एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

सुनीता विलियम्स की यह उपलब्धि न केवल भारतीयों के लिए गर्व का विषय है, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है। वे अपने साथी बुच विलमोर के साथ नौ दिन के लिए अंतरिक्ष में गई थी पर इन नौ दिनों ने नौ महीने और चौदह दिन का रूप ले लिया पर उन्होंने अपना धैर्य और साहस बनाए रखा।

सुनीता विलियम्स के जीवन और उनके कार्य में भारतीय संस्कार विद्यमान हैं। वे अपने साथ भागवत गीता और भगवान गणेश की प्रतिमा ले गई थी,जिसने उनके धैर्य को टूटने नहीं दिया। उनकी यह उपलब्धि नासा के लिए एक मील का पत्थर है, जो भविष्य के लिए एक दिशा बोध बनेगी।

सुनीता विलियम्स के इस हौसले का पूरा विश्व सम्मान करता है। उनकी यह उपलब्धि पूरे विश्व के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है, जो हमें यह सिखाती है कि साहस और धैर्य से हम असंभव लगने वाले लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकते हैं। **- स्वस्तिक, ८ अ**

वसंत ऋतु

हो उठी हैं कोयलें मतवाली,
चारों ओर छाई हरियाली।
सज गया है सकल संसार
जो अब आ गई है बहार।

जनवरी के अंत से मार्च तक का यह हरा-भरा,रंग-बिरंगा,महकता व चहचहाता माहौल वसंत ऋतु की देन है। यह चार ऋतु में से एक है और यह सर्दियों के बाद और गर्मियों से पहले आती है। इस ऋतु में पेड़ों पर नए पत्ते खिलते हैं, फूलों की खुशबू से वातावरण महकता है, रंग-बिरंगे पुष्पों से लताएँ लद जाती हैं, आम के वृक्षों पर बौर आ जाती है,अनेक फल व सब्ज़ियां पकने लग जाती हैं । पूरी धरती दुल्हन की तरह श्रृंगार कर लेती है। सरसों के खेत सोने की तरह चमकने लगते हैं और किसान फसलों को काटने की तैयारी में जुट जाते है। बसंत पंचमी का त्योहार भी इसी ऋतु में ही मनाया जाता हैं। इस दिन बच्चे माँ सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए उनकी आराधना करते हैं और सरस्वती वंदना गाकर उन्हें मनाते हैं। बहुत से लोग बसंत पंचमी के दिन पतंग भी उड़ाते हैं। बसंत पंचमी हिंदू धर्म के लोगों का मौसमी त्योहार है, जो वसंत ऋतु के आगमन को दर्शाता है। इस ऋतु में रंगों का त्योहार होली जो हिन्दू धर्म में विशेष महत्व रखता है, भी मनाया जाता है।बसंत ऋतु हमें प्रकृति के साथ जुड़ने का अवसर प्रदान करता है। यह हमें प्रकृति के अनुपम व अद्वितीय सौंदर्य का बोध कराता है व हमारे जीवन को उत्साह व उमंग से भर देता है तभी तो वसंत ऋतु को ऋतुओं का राजा कहा जाता है। **- आरूषी शाह, ५ ब**

यातायात के नियमों का पालन

यातायात सप्ताह के अंतर्गत नेहरू कॉलोनी थाना के सदस्यों द्वारा मानव भारती स्कूल के कक्षा 9 के बच्चों को यातायात के नियमों से अवगत कराया गया। जिसमें एस आई कुसुम पुरोहित, हेड कांस्टेबल नीलम पंत, कांस्टेबल नीतू, कांस्टेबल नरेंद्र सिंह ,कांस्टेबल अनिल ने नशा के विरुद्ध बच्चों को जागरूक किया। साथ-साथ साइबर अपराध व छेड़छाड़ होने पर पुलिस को सूचना दे सकते हैं और इससे कैसे बचा जा सकता है। इसकी विशेष जानकारी एस आई कुसुम पुरोहित व हेड कांस्टेबल नीलम पंत द्वारा दी गई । किशोरावस्था में बच्चों में बढ़ते हुए अपराध को देखते हुए उनको किस तरह रोका जाए।

इस पर विशेष जानकारी दी गयी । इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री अजय गुप्ता जी उपस्थित रहे । उन्होंने आए हुए सभी सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मानव भारती अंघेला हिल्स में साइंस फेयर

छात्रों ने इनोवेशन और क्रिएटिविटी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जोड़ा

मानव भारती अंघेला हिल्स में आयोजित साइंस फेयर में छात्र- छात्राओं ने अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं रचनात्मकता से सबको प्रभावित किया। उन्होंने नये वर्किंग मॉडल पेश किए, जो विज्ञान और तकनीक के व्यावहारिक उपयोग का प्रदर्शन करते हैं। मुख्य प्रदर्शन में एलडीआर-आधारित सुरक्षा अलार्म, हाइड्रोपोनिक्स सिस्टम और एलईडी सीक्वेंस इंडिकेटर शामिल थे, जो छात्रों की गहरी समझ और नए विचारों को उजागर करते हैं।

इन मॉडल्स को मार्गदर्शक निहारिका की देखरेख में तैयार किया गया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को विज्ञान के नियमों के सैद्धांतिक और व्यावहारिक उपयोग की जानकारी दी। शिक्षिका शिवानी, लता थपलियाल और निशा ने भी छात्रों का हौसला बढ़ाया और साइंस फेयर के आयोजन में सहयोग किया। साइंस फेयर बेहद सफल रहा और इसे खूब सराहना मिली। इसने छात्रों को तकनीकी कौशल बढ़ाने और समस्याओं के समाधान के लिए विज्ञान के नियमों को व्यावहारिक रूप से लागू करने शानदार मंच प्रदान किया। नवाचार और जिज्ञासा को बढ़ावा देकर इस आयोजन ने व्यावहारिक शिक्षा के महत्व को रेखांकित किया।

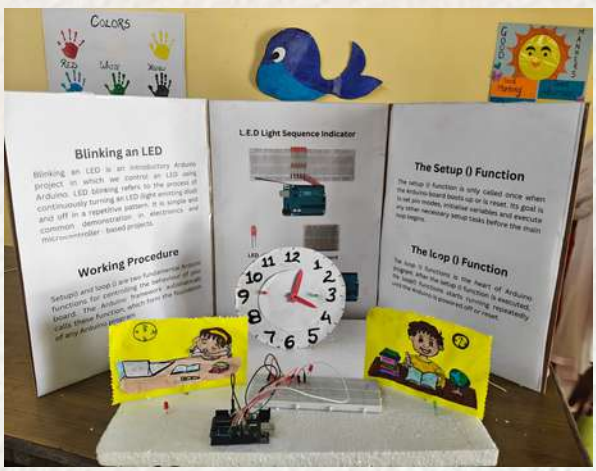

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मानव भारती स्कूल में कार्यक्रम

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मानव भारती स्कूल में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने प्रतिभाग लिया और अपने विचार प्रस्तुत किए। अनेक खेलों का भी आयोजन किया गया तथा सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने इसमें उत्साह व तत्परता के साथ भाग लिया।

छात्राओं ने जाना, कौशल विकास से उद्यमिता का सफर

देहरादून। महिला दिवस पर मानव भारती स्कूल के छात्राओं ने स्थानीय एनजीओ "हरि ग्राम संगठन" की उद्यमिता को जानने के लिए कालसी क्षेत्र का भ्रमण किया। संगठन की प्रेरणा से ग्रामीण महिलाएं कम संसाधनों के बावजूद साबुन, जैविक तेल और अगरबत्ती बना रही हैं। ये महिलाएं सीमित संसाधनों से रोजगार से आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ा रही हैं, वहीं उद्यमिता के विकास के साथ पर्यावरण के प्रति जागरूकता का प्रसार कर रही हैं।

छात्राओं और शिक्षकों ने लघु उद्यमी महिलाओं से उनके कार्यों की जानकारी ली। कुछ महिलाओं ने बताया कि कैसे उन्होंने घर-परिवार की जिम्मेदारियों के साथ-साथ रोजगारपरक गतिविधियों को अपनाकर आत्मनिर्भरता हासिल की। सामुदायिक जुड़ाव की इस गतिविधि ने छात्र-छात्राओं को कौशल विकास से स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता के बारे में काफी जानकारी मिली। शिक्षकों ने महिलाओं के हस्तशिल्प कौशल की तारीफ की और छात्रों को उनके बनाए उत्पादों—जैसे सुगंधित अगरबत्ती और शुद्ध जैविक तेल के बारे में विस्तार से पता चला।

रोचक तथ्य

- हिंदी दुनिया की चौथी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है।
- तितलियाँ किसी वस्तु का स्वाद अपने पैरों से चखती है।
- भारत ने अपने आखिरी 100000 वर्षों के इतिहास में किसी भी देश पर हमला नहीं किया है।
- एक समुद्री केकड़े का दिल उसके सिर में होता है।
- सबसे अधिक रंगों वाला राष्ट्रीय ध्वज बेलीज़ (1981) है, जिसमें 12 रंग हैं।
- शतरंज का अविष्कार भारत में हुआ और ये दुनिया का सबसे ज्यादा दिमाग की कसरत कराने वाला खेल है।
- डॉलफिन मछली अपनी एक आँख खुली रख कर भी सो सकती है।
- अगस्त में सबसे ज्यादा लोग पैदा होते हैं।
- दुनिया के 85 प्रतिशत पौधे समुद्र के अंदर होते हैं।
- बिल्लियाँ अपनी ज़िंदगी का 66 प्रतिशत हिस्सा सोते हुए गुज़ारती हैं।
- धरती पर हर मिनिट में 6,000 बार बिजली गिरती है।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर, मानव भारती स्कूल, देहरादून के कक्षा ग्यारह के 17 छात्रों के एक समूह ने भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून का शैक्षणिक दौरा किया। इस दौरे का उद्देश्य छात्रों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जो भारत की राष्ट्रीय मानचित्रण एजेंसी है, के कामकाज के बारे में व्यावहारिक अनुभव और जानकारी प्रदान करना था।

आत्मानं विद्धि

मानव भारती इंडिया इंटरनेशनल स्कूल
डी- ब्लाक, नेहरू कॉलोनी, देहरादून, पिन- 248001 उत्तराखंड
ईमेल:- hr@mbs.ac.in, वेबसाइट:- www.mbs.ac.in
फोन- 0135-2669306, 8171465265
संपादक - नीलम कुकरेती, डिजाइन - विशाल लोधा